Mr. Speaker: Mr. Hem Raj.—

12.19 hrs.

PETITIONS RE: PUNJAB REORGANISATION BILL, 1966.

Shri Hem Raj: (Kangra): I present a petition signed by Shri Gangu Ram and other inhabitants of Una Tehsil, Anandpur Sahib block, relating to the Punjab Reorganisation Bill, 1966.

Shri Pratap Singh (Sirmur): I present a petition signed by Chaudhari Shanti Sarup and other inhabitants of Kandi District Hoshiarpur, relating to the Punjab Reorganisation Bill, 1966.

श्री दलजीत सिंह : (ऊना): इस में एक मेरा संशोधन है कि लाखों आदमियों ने कर्नाल, पानीपत, अम्बाला और चन्डीगढ़ और जो जाबी रीजन के हिस्से पंजाब से अलग किए गए हैं, पंजाब में ही रहने के लिए वहां से रेप्रेजेन्टेशन लाखों आदमियों ने दिये हैं होम मिनिस्टर, प्राइम मिनिस्टर और बांउड्री कमीशन को, वे भी इस पैटिशन में शामिल कर लिये जायें ।

Mr. Speaker: What does Shri Daljit Singh want to say now? I have not been able to follow him. This is only a petition which is being presented, and nothing can be said at this moment on that.

श्री मधु लिमये : (मुंगेर): अध्यक्ष महोदय कल आपने यह भी कहा है कि आप का बयान भी छप जायेगा, लेकिन आप देखें रहे हैं, मिनिस्टरों की गलतबयानी को ढूंढने के लिये ... **(व्यवधान)** लेकिन हमारी बात तो किसी भी अखबार में नहीं आयी इसलिए मैं इसे पढ़ना चाहूंगा । मैं आप का ध्यान डाइरेक्शन 115 की ओर दिलाना चाहता हूं :

"Member shall make a statement . ."

अध्यक्ष महोदय : मैं मेम्बर्स को सर्कुलेट कर दूंगा ।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, बार-बार आधे घंटे की बहस हमारी तरफ से होती है, और भी चर्चा होती है लेकिन यह अखबार वाले हमारी एक बात भी नहीं छापते हैं । डाइरेक्शन 115 के अनुसार...

12.21 hrs.

STATEMENT RE. INFORMATION GIVEN BY COMMERCE MINISTER AND MINISTER'S REPLY THERETO

Mr. Speaker: Shri Madhu Limaye and the hon. Minister might lay their statements on the Table of the House and I shall get them circulated to the Members.

श्री मधु लिमये: लेकिन अध्यक्ष महोदय, जब अखबार वाले हमारी बात को छापते ही नहीं हैं और मिनिस्टरों द्वारा उनको अपना विज्ञापन देने का साधन बनाया जाता है .. **(व्यवधान)**

Mr. Speaker: But I can ask him to place it on the Table of the House.

श्री मधु लिमये : जहां तक छापने का सवाल है, मैं ने इन की गलतबयानी को पकड़ा ...

Mr. Speaker: How long is that statement?

श्री मधु लिमये : एक सफे का है ।

अध्यक्ष महोदय : पढ़ लीजिए ।

Shri Bakar Ali Mirza (Warrangal): On a point of order. May I know whether statements and speeches in this House are to be made so that they are to be published in the press, and if they are not published, whether Members are to be given additional opportunity to make them here so that those things can be published?

Shri Raghunath Singh (Varanasi): Should it be forced on us?

श्री मधु लिमये: स्पीकर साहब ने कहा, इस लिए मैं ने उसका उल्लेख किया ।